दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्षः- 06
अंकः- 145
मुरादाबाद
(Tuesday)
15 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

महिला एशिया कपः भारतीय टीम की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई, कहा- आत्मविश्वास और जज्बे की शानदार मिसाल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता है। इस जीत के बाद टीम को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने टीम की तारीफ करते हुए उसके शानदार प्रदर्शन को लाखों लोगों के लिए प्रेरणादायक बताया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। यूएई में खेले गए फाइनल में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और

आठवीं बार यह ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही। टीम की इस बड़ी जीत के बाद बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया है।

महिला टीम की एशिया कप जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी है।

उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में इस जीत को भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण बताया।पीएम मोदी ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम के आत्मविश्वास, निरंतर शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन जज्बे की झलक देखने को मिली।उन्होंने महिला टीम की उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे देश के लिए प्रेरणादायक बताया। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह जीत देशभर के लाखों युवाओं को क्रिकेट और अन्य खेलों से जुड़ने तथा अपने प्रदर्शन से नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एशिया कप जीतने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर टीम की तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने एशियाई क्रिकेट में एक और उपलब्धि हासिल की है।अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने पूरे देश को रोमांचित किया और लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का रास्ता तैयार किया।

आकाश आनंद को ऑफरः मायावती के भतीजे को मंत्री रामदास आठवले का न्योता; यूपी में बात न बनी तो अकेले लड़ेगी आरपीआई

मुरादाबाद में संविधान सम्मान सम्मेलन में आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मायावती ने भतीजे आनंद को भी पार्टी से निकाल दिया। वह अच्छा काम कर रहे थे। आरपीआई आनंद को अपने साथ लेने के लिए तैयार है।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की सहयोगी दलों ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। आरपीआई भाजपा से विधानसभा की 25 सीटें मांगेगी। यह खुलासा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पवन गुप्ता ने किया है। मुरादाबाद में उन्होंने चेताया कि यदि इतनी सीटों पर बात नहीं बनी तो पार्टी अपने दम पर मैदान में उतरेगी।

पार्टी छोटी है, लेकिन 19 नवंबर को लखनऊ में रैली कर शक्ति प्रदर्शित करेगी। वह पंचायत भवन में आयोजित संविधान सम्मान रैली में शामिल होने आए थे। इस दौरान रैली को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सिर्फ जनता को भड़काने का काम कर रहे हैं। वे संसद में हंगामा करते हैं। कांग्रेस ने मुझे शिरडी लोकसभा से हराया था। सरकारी आवास से सामान बाहर फेकवा दिया था। लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर उनका साथ मिला। प्रधानमंत्री ने उन्हें तीसरी बार मंत्रिमंडल में शामिल किया है।मायावती के भतीजे आनंद को लेने के लिए पार्टी तैयार

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मायावती ने भतीजे आनंद को भी पार्टी से निकाल दिया। वह अच्छा काम कर रहे थे। आरपीआई आनंद को अपने साथ लेने के लिए तैयार है। आरोप लगाया कि बसपा ने आरपीआई (रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया) के चुनाव चिह्न हाथी का अतिक्रमण किया है।

ब्रिक्स सम्मेलन से व्यापार बढ़ेगा- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। चीन हमारे बार्डर पर नहीं आएगा। भारत ने सभी देशों से समन्वय स्थापित किया है। इसी कारण व्यापार भी बढ़ेगा। कांग्रेस के पास विरोध के अलावा कोई मुद्दा नहीं है। वह केवल शोर मचा रही है।भीड़ न जुटाने पर जताई नाराजगी- सम्मेलन में अपेक्षा के अनुरूप भीड़ नहीं जुटी। इसे स्थानीय इकाई की विफलता मानते हुए नेताओं ने नाराजगी जताई। प्रदेश अध्यक्ष ने इस बाबत पार्टी के जिलाध्यक्ष से नाराजगी जताते हुए पकड़ मजबूत करने की हिदायत दी।

संक्षिप्त समाचार

जाली नोटों के बाद अब नकली सिक्केः 25 साल और 400 का कमीशन, एक सिक्के पर आती थी पांच रुपये की लागत

सहारनपुर में नकली नोटों के बाद अब नकली सिक्कों का बड़ा खेल सामने आया है। शहर कोतवाली पुलिस ने एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ मिलकर नकली सिक्के बनाने और बाजार में खपाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पांच बदमाशों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 1.28 लाख के नकली सिक्के, छह मशीनें, डाई, पांच लाख के अधबने सिक्के आदि बरामद किए हैं।सहारनपुर में नकली सिक्के बनाने वाले गिरोह के पांच सदस्यों की गिरफ्तारी होने से पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाली बात सामने आई हैं। गिरोह का मुख्य सरगना उपकार लूथरा उर्फ अभय प्रताप सिंह वर्ष 2001 से नकली सिक्के बनाने के धंधे में लगा हुआ था। उसने गिरोह के साथ मिलकर सहारनपुर में भी नकली सिक्कों की फैक्टरी लगाने की तैयारी कर ली थी। इससे पहले ही पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया। गिरोह का मुख्य सरगना पंजाब निवासी उपकार लूथरा उर्फ अभय प्रताप सिंह वर्ष 2001 से नकली सिक्के बनाने के धंधे में लगा हुआ था। पहले वह सर्राफ था। इसलिए उसे सिक्के बनाने की अच्छी प्रैक्टिस थी। नकली सिक्कों के मामले में आरोपी उपकार को दिल्ली पुलिस ने वर्ष 2017 में पकड़ा थाउस पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित था। तिहाड़ जेल में ही उसकी मुलाकात पकड़े गए आरोपी हिमांशु से हुई थी। दोनों ने तिहाड़ जेल में कुछ नया करने की योजना बनाई। इसके बाद वर्ष 2021 में जेल से बाहर आए। दोनों ने मिलकर गिरोह खड़ा किया

लोक आयुक्त संगठन के 50 सालः सीएम योगी बोले- शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हो यही हमारी कसौटी है

लोक आयुक्त संगठन के 50 साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीएम योगी शामिल हुए। उन्होंने स्मारिका और सूचना पुस्तिका का विमोचन किया। राजधानी लखनऊ में गोमतीनगर स्थित लोक आयुक्त कार्यालय में उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त संगठन के 50वें स्थापना दिवस पर सोमवार को समारोह आयोजित किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने लोक आयुक्त प्रशासन की स्मारिका और सूचना पुस्तिका का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक आयुक्त न्यायमूर्ति संजय मिश्रा ने किया। इस दौरान संगठन की पांच दशक की विकास यात्रा और उपलब्धियों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में संगठन के गठन से लेकर अब तक की यात्रा, कार्यप्रणाली, शिकायतों की जांच और प्रमुख उपलब्धियों को क्रमवार प्रदर्शित किया गया। यहां बताते चलें कि लोक आयुक्त संगठन भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच में अहम भूमिका निभाता है। समारोह में लोक आयुक्त प्रशासन के अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है किसी संस्था से जुड़ा जन विश्वास - इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत किसी संस्था से जुड़ा सामान्यजन का विश्वास है। गुड गवर्नेंस आमजन के विश्वास पर निर्भर करता है। उन्होंने सुशासन के लक्ष्यों को भी गिनाया। कहा कि किसी संस्था में सामान्य व्यक्ति बेझिझक आए और नियमानुसार परिणाम को समयबद्ध प्राप्त कर सके। यही

हमारी कसौटी होती है। शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हो। साथ ही अनावश्यक शिकायत करने वालों पर भी शिकंजा कसने का काम भी हो। जनविश्वास पर खरा उतरना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी - सीएम ने कहा कि संस्था के गठन मात्र से समस्या का समाधान नहीं होता। जन-विश्वास पर खरा उतरना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है। संविधान निर्माताओं ने भारत की व्यवस्था के लिए संसदीय लोकतंत्र दिया। यदि जनप्रतिनिधि ने विश्वास खोया तो सरकार गई। अनावश्यक शिकायत करने वालों पर कसना होगा शिकंजा - सीएम ने आगे कहा कि आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन, जनता दर्शन आदि के जरिये जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान कराया जाता है। हालांकि, कुछ लोग अनावश्यक शिकायत भी लेकर आते हैं, बताते हैं कि मेरी व्यक्तिगत समस्या नहीं है, लेकिन किसी के खिलाफ शिकायत करनी है। यदि हम प्रमाण मांगते हैं तो आनाकानी भी होती है। ,एक अनुभव साझा करते हुए सीएम ने कहा कि एक सज्जन ने एक विद्यालय के खिलाफ शिकायत की। जांच में शिकायत झूठी निकली तो उन्होंने कहा कि पूरे जिले के विद्यालयों की जांच की जाए। ऐसी झूठी शिकायतों को खारिज किया जाना चाहिए। किसी संस्था को विश्वास के प्रतीक के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी विश्वास व्यक्त करे कि मेरी समस्या का समाधान होगा।तकनीक के कारण अब पीडीएस की शिकायत नहीं सीएम ने कहा कि लोक आयुक्त संगठन ने टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग किया है। 2017 में पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में सबसे अधिक शिकायत खाद्यान्न वितरण की आती थी। जनता दर्शन में 100 में से 60 शिकायतें पीडीएस की होती थी। इससे परेशान होकर लगातार हम बैठक करते थे, फिर हमने तकनीक का प्रयोग किया। ई-पॉस मशीन लगाकर उसे मुख्यालय पर स्क्रीन लगाकर जोड़ दिया। इसके बाद यदि 80 हजार राशन कोटे की दुकानों में किसी ने कुछ इधर-उधर किया तो तुरंत अलर्ट आ जाता है। इससे हेराफेरी की गुंजाइश शून्य हो गई। साढ़े 9 साल में 34 लाख राजस्व मामलों का निस्तारण- सीएम ने राजस्व विभाग के मामलों का भी जिक्र किया। कहा कि 2017 में भूमि संबंधी विवाद, पैमाइश, वरासत, नामांतरण से जुड़े 34 लाख मामले लंबित थे। इससे अनावश्यक विवाद होते थे। केवल वरासत से जुड़े लगभग छह लाख मामले लंबित थे। सभी के निस्तारण की समयसीमा तय की गई। तय किया गया कि लैंड यूज की समस्या का समाधान 30 दिन में नहीं हुआ तो इसे डीम्ड मान लिया जाएगा, यानी गलत होने पर निस्तारण करने वाले की जवाबदेही तय होगी। साढ़े 9 साल में 34 लाख मामले का निस्तारण हुआ, लेकिन 9 साल में 9 लाख और मामले भी सामने आए। वरासत, पैमाइश आदि की समस्याओं का समाधान किया गया। हर तहसील में दिया गया रोबोट - सीएम ने कहा कि पैमाइश में शिकायत मिली कि लेखपाल ने जरीब में थोड़ा इधर-उधर कर दिया है। अब इस समस्या का भी समाधान हो गया। इसके लिए हर तहसील में रोबोट दे दिया है। इतनी पारदर्शिता हुई कि एक इंच भी कोई इधर-उधर नहीं कर सकता। टेक्नोलॉजी दिलाएगी शिकायतों के अंबार से मुक्ति सीएम ने कहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग कर शिकायतों के अंबार का समाधान निकाल सकते हैं। हो सकता है कि लोकसेवक को बचाने का प्रयास होता है, लेकिन शिकायत जब लोक आयुक्त संगठन के पास जाती है तो वह मेरिट के आधार पर समाधान निकालता है। कई बार जब व्यक्ति को ताकत मिलती है तो वह उदंडतापूर्ण व्यवहार करने लगता है, उस पर अंकुश जरूरी है। आजादी के बाद लगा होगा कि आने वाले समय में नेतृत्व देने वाले लोग ही व्यवस्था में गदर मचा डालेंगे, तब इमरजेंसी के तत्काल बाद बनी पहली सरकार ने लोक आयुक्त संगठन के निर्माण की तरफ कदम बढ़ाए।

क्रिकेट के मैदान पर वंदे मातरमःकांग्रेस बोली- आखिर इससे क्या हासिल होगा? नकवी से ट्रॉफी न लेने को बताया नाटक

भारत-अफगानिस्तान के पहले टी-20 मुकाबले से पहले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में पहली बार 'वंदे मातरम' के सभी छह अंतरे बजाए जाने को लेकर कांग्रेस सांसद उदित राज ने सवाल उठाए है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी न लेने पर भी सवाल उठाए है। अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में पहली बार रविवार को राजधानी दिल्ली में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की गूंज सुनाई दी। अरुण जेटली स्टेडियम में मैच शुरू होने से पहले राष्ट्रगीत के सभी छह अंतरे बजाए गए। इस मौके पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों और अन्य लोगों ने राष्ट्रगीत का सम्मान किया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से बताया कि अब भारत में होने वाली हर घरेलू सीरीज के पहले मुकाबले से पहले 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। यानी भारत में किसी भी द्विपक्षीय घरेलू सीरीज की शुरुआत राष्ट्रगीत के साथ होगी। सभी छह अंतरे बजाए जाने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल- हालांकि, राष्ट्रगीत के सभी छह अंतरे बजाए जाने को लेकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस एक बार फिर असहज नजर आया। कांग्रेस पहले से ही 'वंदे मातरम' के सभी छह अंतरे बजाए जाने का विरोध करती रही है। पार्टी नेता उदित राज ने सवाल उठाया कि आखिर इसका औचित्य क्या है। उदित राज ने कहा, 'बिना किसी कारण के ऐसा करने का क्या मतलब है? क्या इससे रोजगार पैदा होगा? क्या इससे भारतीय टीम मजबूत होगी? या इससे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमें कोई फायदा मिलेगा, जहां हम काफी पीछे हैं? हमारा निर्यात घट रहा है और देश का कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। जेनरेशन जेड की समस्याओं का क्या होगा? गंभीर समस्याएं हैं। क्या इससे उनका समाधान होगा? वे केवल एक नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।'ट्रॉफी लेने से इनकार पर उदित राज बोले- यह सिर्फ ड्रामा- वहीं, राज ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी से महिला एशिया कप की ट्रॉफी लेने से इनकार करने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आलोचना की है। उन्होंने इसे 'ड्रामा' और 'थियेट्रिक्स' करार दिया। मीडिया से बातचीत में राज ने कहा कि जब पाकिस्तान की टीम भारत आ चुकी है, उसके खिलाड़ी यहां रहकर मैच खेल रहे हैं, तो नकवी के हाथ से ट्रॉफी न लेने का फैसला सिर्फ दिखावा है। कर चुकी है। महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी साथी खिलाड़ियों ने भी पुरस्कार समारोह में यही रुख अपनाया।कांग्रेस ने हाल ही में अपनी कार्यसमिति की बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर पार्टी के कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के केवल पहले दो अंतरों का इस्तेमाल जारी रखने का फैसला किया था।

संपादकीय Editorial

Villages, not villages, should be like villages.

Before achieving a "city-like village," the village should preserve its "village-like" nature, maintaining goodwill, courtesy, economics, and community spirit. While cities are straying four steps outside the mountain state's code of conduct, villages are traversing forty. In such a scenario, the definition of a city-like village requires numerous criteria: facilities, systems, planning, economics, infrastructure, and trust. What the Chief Minister said at the inauguration of the fire station in Nerwa is more or less mirroring the allocation of electric bus routes. Many of the state's statements are borne out in villages, but evidence of agriculture and horticulture doesn't cover the entire state of Himachal. When the Agricultural University was established in Palampur and the Horticulture University in Solan, hope lit up the village afternoons. Apple-laden branches sang songs of self-respect. While the corn of Bilaspur and Una flexed its tentacles, the rice of Kangra exuded fragrance. Once upon a time, every Himachali household boasted self-sufficiency when it came to production, but are the village fields and the ravine's mill truly intact today? Retail stores have sprung up, and the village household has begun buying packaged milk. Villagers who once abandoned their buffaloes and cows to stray far away are now spoiled by dung. The rush to build new homes has eclipsed their farms, as the land acquired for the four-lane road offers enough money to park a large car in the new home. With 2.5 million registered vehicles in Himachal, and a similar number coming from outside, the village has also lined its streets with vehicles. The village market has shrunk, and brick walls at the roadside block the views of the valleys and mountains.

The HRTC gets stuck in the village square, and traffic jams make villagers pale. It's unknown when the village blacksmith's kiln was abandoned. The blacksmiths, potters, and carpenters have all left for government jobs, and artisans from other states have taken over. Grandmothers no longer stitch quilts, but the people of Uttar Pradesh are earning. The sons of Masto, Devi Lal, or Kanshi Ram no longer work as daily wage laborers. Many parents' children have become addicted to drugs or, under the influence of alcohol, have forgotten how to dance, enjoy volleyball, or lift Hanuman's mace in the Ramlila. Himachal is no longer as rural as it once was, nor are the people truly rural. Surprisingly, even the tribal areas are no longer tribal. All of Kinnaur has moved down to Solan. Lahaul-Spiti has moved down to Manali, while Pangi has become Kullu. If you want to see Holi and Bharmour, look no further than Chamba, which has settled in Kangra. Therefore, to save rural areas, we need policies, programs, and projects that provide electricity, water, and sanitation. The government has recently set an example of keeping the village's soul clean by providing some sanitation vehicles. To protect roads, grounds, streets, rivers, drains, and agriculture, innovative innovations and youth orientation are needed in villages. Village land pooling, forest sharing, rural economy, employment, and markets will need to be developed. Villages will need to develop bus stops, market complexes, intersections, and drainage systems. To manage the advent of urbanization alongside rural development, departmental thinking will need to be changed, and the entire state will need to be coordinated under eight to ten regional development authorities. Bringing the entire state under urban planning, the entire system will need to be strengthened. Now is the time to establish police commissionerates in major cities, while also strengthening the rural police system in the districts.

The Politics of Disrupting Parliament

The Monsoon Session of Parliament was disrupted by the NEET paper leak and opposition uproar, preventing meaningful discussions on issues of public interest. The Monsoon Session of Parliament was marred by excessive noise, uproar, and accusations. The Congress and other opposition parties, led by Rahul Gandhi, disrupted Parliament by raising one issue or another. The NEET paper leak issue was the primary issue. The CJP organized a march to Parliament, starting with a protest at Jantar Mantar. The opposition used police force to prevent this march from reaching Parliament, which they used as a means to disrupt Parliament. While Parliament has been disrupted and sessions have been unproductive before, this time the performance was even more disappointing. Although the government managed to pass more than ten bills amid the uproar, only the bill amending the Paper Leak Act was discussed. Even this discussion did not focus on the provisions of this bill. It's difficult to say whether the bills passed and about to become law, despite the lack of discussion, will stand the test. It should not be overlooked that the Paper Leak Act was amended in 2024. If it needs to be amended again just two years later, it means the previous amendments weren't sufficient. Rahul Gandhi and other opposition leaders are considering the inaction of Parliament and the failure to introduce several bills as a victory, but they are forgetting that the public has a short memory and doesn't remember the uproar inside and outside Parliament at all. The public understands well that no issues of concern to their interests were discussed in this session of Parliament. They don't even know what the bills passed contained and what benefits they will receive from them. If issues of public interest are not discussed in Parliament at all, the public will be disappointed.

The declining level of debate in Parliament is sending a message to the general public, and especially the Gen-Z generation, that disrupting Parliament is an essential democratic function of the opposition and must be undertaken. This is a misconception and against the very tenets of parliamentary democracy. Without meaningful debate, Parliament will lose its significance. It is essential to re-establish rules for the proper functioning of Parliament.

Failing to do so will embolden leaders like Rahul Gandhi, who believe that harsh language and baseless accusations strengthen their political standing. In fact, this misconception is the reason for Rahul Gandhi's political failure. Instead of understanding this, he is engaging in increasingly irresponsible politics. Recently, he used abusive language against Prime Minister Modi and Home Minister Amit Shah. He should know that such behavior only harms him, and the BJP successfully uses his abusive language to its advantage.

Congress and other opposition parties have been pursuing a strategy of disrupting Parliament for a long time. Now, if the government agrees to discuss an issue, the opposition either sidesteps it or comes up with another demand. This results in a political game of accusations and counter-accusations. Political parties must consider what they and society gain from meaningless discussions.

Parliament exists to ensure proper lawmaking and to facilitate discussions on issues of national importance that guide the country, but this is now rarely achieved.

The opposition's intent on disrupting Parliament during the monsoon session was evident from Rahul Gandhi's insistence on Home Minister Amit Shah's statement on police use of force during the CJP's Parliament march, and when he agreed, he refused, saying he did not want to hear his speech. It is difficult to understand what he and other opposition leaders wanted.

They should know that meaningless discussions on any issue do not change the situation—neither do they enact laws nor do they solve the problems of the common people. Superficial accusations and counter-accusations in the name of discussion in Parliament are only weakening democracy. Now, there is rarely a proper discussion on the details of any bill in Parliament. The number of MPs who express their views logically is dwindling. Those who do exist appear helpless in the face of the uproarious MPs.

Another problem is that average MPs are now realizing that a patient and serious discussion will not help them win elections. Because creating a ruckus makes them headlines, they prefer to do so.

It is not satisfactory that many bills are sent to parliamentary committees for discussion, such as the Foreign Contribution Regulation Act (FCRA), because it is very rare to see proper discussions in parliamentary committees and the result in better legislation. It is a fact that the FCRA had to be referred to a parliamentary committee because the opposition, instead of debating it, was insisting on withdrawing it.

The country celebrated its 80th Independence Day yesterday, but we cannot ignore the fact that the foundation of democracy does not seem to be strengthening in Parliament.

Instead, it seems to be weakening. The truth is that it is being deliberately weakened. Meaningful discussions on the country's problems in Parliament should be a means of giving direction to society or The de-prioritization of law-making should be a cause of serious concern for parliamentary democracy – for the ruling party and the opposition as well as for society.

A National Policy for Data Centers

The rapidly growing number of data centers in India has highlighted the need for the digital economy, but their increasing pressure on power, water, and the environment has also been highlighted. Data centers are crucial for the digital economy, but they pose a resource challenge. Power and water consumption and environmental impact are concerning.

A national green policy is urgently needed for balanced development. In the coming years, the true strength of any nation will be determined more by its digital resources than by its natural resources. The entire structure of the rapidly expanding digital economy, driven by programs such as artificial intelligence (AI), cloud computing, digital banking, digital education, telemedicine, e-governance, electronics manufacturing, defense, space research, and Industry 4.0, is based on data. Just as oil was considered the backbone of the economy in the last century, today data is being considered the fuel of the new economy. Large data centers are required to store, process, and make data available at all times. This is why competition for data center construction has intensified across the world, including India. To this end, the central government is promoting the sector through initiatives like Digital India, Data Localization, and the AI ??Mission. Maharashtra, Uttar Pradesh, Tamil Nadu, Telangana, Gujarat, Karnataka, and other states have formulated their own data center policies. These policies aim to attract investment, simplify approval processes, provide tax incentives, and position India as a global data and AI hub. The proliferation of artificial intelligence will lead to a rapid increase in both the number and capacity of data centers over the next decade. Digital sovereignty will be strengthened if the data of Indian citizens, banks, hospitals, universities, and government institutions is kept safe within the country. However, building a small data center of 1 to 5 megawatts requires approximately 2 to 1 million liters of water per day, along with a continuous power supply of 1 to 5 megawatts. Therefore, the question becomes crucial: do we have sufficient power, water, and environmental capabilities to support the rapid pace at which data centers are being established in India? India already faces challenges such as water scarcity, energy demand, and climate change. Today, the development of data centers is essential in the national interest, but it should not be at the expense of natural resources. Concerns about data centers are not limited to India; they have become a global topic of debate. In India, local protests and concerns have emerged in Thane and Navi Mumbai, Maharashtra, regarding land use, increased electricity demand, traffic, and environmental impact. In Andhra Pradesh, farmers protested against land acquisition for proposed data center projects, while in areas like Chennai and Rajasthan, experts are raising questions about water scarcity and resource availability. Similarly, in Ireland, increasing pressure on the power grid led to strict restrictions on new data centers. In the Netherlands, widespread protests were faced over agricultural land and energy consumption, while Singapore temporarily halted new projects due to energy and land limitations. In Spain and Chile, local communities protested over the impact on water resources. Clearly, the source of controversy is not the data centers themselves, but rather their location, energy and water availability, and environmental management. Therefore, India must adopt a policy that balances digital development and natural resource conservation. India currently lacks a comprehensive national policy or separate law for data centers. However, a strategic sector like data centers requires a uniform national approach. First, location selection shouldbe scientifically based to prevent unplanned expansion in areas with water and power shortages. The country could be divided into green, yellow, and red zones based on resource availability. National standards for treated wastewater, rainwater harvesting, water-efficient cooling technologies, and water use efficiency should be mandated. Given the growing energy needs, a clear strategy must be adopted to gradually connect data centers to clean energy sources such as solar, wind, hydropower, and small modular nuclear reactors. Industrial and wasteland should be prioritized over fertile agricultural land, and local community participation should be ensured with transparency, with independent environmental.

मुरादाबाद की RH इंटरनेशनल फर्म में भीषण आग, लपटें देख बुलाई गईं दमकल की 10 गाड़ियां, काम कर रहे थे सैकड़ों कर्मचारी

मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र में स्थित आरएच इंटरनेशनल फर्म में सोमवार को भीषण आग लग गई, जिससे सैकड़ों कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकले। आग बुझाने के लिए दमकल की कुल दस गाड़ियां लगाई गईं, लेकिन दो घंटे बाद भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। कटघर क्षेत्र के रामपुरदोराहा इलाके में गोट रोड पर स्थित आरएच इंटरनेशनल फर्म में सोमवार अचानक आग लग गई। जिस समय आग लगी फैक्ट्री के सैकड़ों कर्मचारी अपने काम में लगे थे। फैक्ट्री के एक हिस्से से धुआं उठते ही अफरा-तफरी मच गई। सारे कर्मचारी भाग कर किसी तरह बाहर निकले। आनन-फानन में पुलिस और दमकल विभाग को आग की सूचना दी गई।तब तक आग ने विकराल रूप लेकर पूरी फैक्ट्री को अपने चपेट में ले लिया। आग की ऊंची-ऊंची लपटे उठने लगी। दमकल की चार गाड़ी करीब-करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद भी आग पर काबू नहीं पा सकी। बाद में 6 गाड़ियां और बुलाई गई। दो घंटे बीतने के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे रहे।सीएफओ डॉ. राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि दमकल की दस गाड़ियां लगाई गई हैं। आग पर कुछ नियंत्रण मिल गया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग बुझाने के बाद कारणों की जांच की जाएगी।

मुरादाबाद में सर्राफा व्यापारी के नौकर से 19 लाख की लूट, चाकू की नोक पर वारदात को दिया अंजाम

मुरादाबाद में सर्राफा व्यापारी के नौकर से चाकू की नोक पर 19 लाख रुपये के सोने के आभूषण और नकदी की लूट हुई। हालांकि, बाद में मालिक ने नौकर पर ही सोना व नकदी गायब करने का आरोप लगाया, जिस पर पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।मुरादाबाद में सर्राफा व्यापारी के नौकर से 19 लाख की लूट।

चाकू की नोक पर चार लुटेरों ने वारदात को दिया अंजाम।-पुलिस जांच में नौकर पर ही सोना गायब करने का आरोप।चार लुटेरों ने मंडी चौक के सर्राफ के नौकर को सिरसवां दोराहे से जामा मस्जिद की ओर जाने वाले मार्ग पर दादूपुर गांव के पास घेरकर चाकू की नोंक पर 107.210 ग्राम सोने के आभूषण व 5.60 लाख रुपये लूट लिए। सीओ ठाकुरद्वारा और एसओजी टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। हालांकि देर रात पूरे मामले में आई तहरीर कुछ और ही कहानी बयां करती दिखी।

एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर में महारानी ज्वैलर्स के स्वामी फिरोज खान ने लूट के संबंध में तहरीर दी है। जिसमें उन्होंने शंकर पर ही सोना व नकदी गायब करने का आरोप लगाया है। मामले में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।शहर के पीतल नगरी निवासी शंकर कश्यप मंडी चौक स्थित श्री बाला जी ज्वैलर्स के मालिक संग्राम पाटिल के यहां पांच साल से नौकरी करता है। शंकर के अनुसार, रविवार रात करीब आठ बजे वह वसूली करके बाइक से लौट रहा था। भोजपुर क्षेत्र में दादूपुर गांव के पास खेत से निकले लुटेरों ने उसे घेरकर लिया और आभूषण व नकदी लूटने के बाद जंगल की तरफ भाग गए।हालांकि, पुलिस को पूरी कहानी में कई पेंच नजर आ रहे हैं। शंकर के अनुसार, वह रविवार शाम करीब पांच बजे भोजपुर के महारानी ज्वैलर्स पर पहुंचा था। यहां से करीब 5-45 बजे डिलारी के लिए निकला। ज्वैलर्स से उसने पांच लाख रुपये लिए नकद और 107.210 ग्राम सोना साथ लिया था। सोने की कीमत करीब 13.40 लाख रुपये है। इसके बाद डिलारी के दूसरे छोटे सर्राफ से भी करीब 60 हजार रुपये लिए। पुलिस शंकर की दिनभर व लूट के बाद की गतिविधि की भी जांच कर रही है। जिन सर्राफों से उसने रकम और सोना लिया, उनके बयान भी लिए गए हैं।

सामान्य कोलेस्ट्रॉल रिपोर्ट दिल की सुरक्षा की गारंटी नहीं... एलपीए जांच से खुलेंगे हार्ट अटैक के छिपे खतरे

सामान्य कोलेस्ट्रॉल रिपोर्ट के बावजूद, खून में बढ़ा हुआ लाइपो प्रोटीन (एलपीए) कम उम्र में भी हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि एलपीए की अलग जांच से इस छिपे खतरे का पता चलता है और भविष्य में इसे जीन-साइलेंसिंग तकनीक से कम किया जा सकेगा।सामान्य कोलेस्ट्रॉल रिपोर्ट दिल की सुरक्षा की गारंटी नहीं। एलपीए (लाइपो प्रोटीन-ए) जांच से हार्ट अटैक का खतरा पता चलता है।

एलपीए जन्मजात होता है और परिवार से मिलने वाली समस्या है।मुरादाबाद। अगर आपकी सामान्य कोलेस्ट्रॉल जांच रिपोर्ट ठीक है, तब भी इसका मतलब यह नहीं कि दिल पूरी तरह सुरक्षित है। खून में मौजूद एक खास तरह का वसा लाइपो प्रोटीन (एलपीए) बढ़ी हो तो कम उम्र में भी हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है। खास बात यह है कि इसकी जानकारी सामान्य कोलेस्ट्राल जांच में नहीं

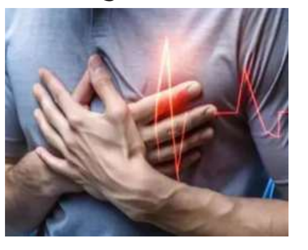

मिलती। एलपीए (लाइपो प्रोटीन-ए) की अलग जांच से पता चल जाएगा कि हार्ट अटैक का कितना खतरा है। रविवार को हॉलिडे रिजेंसी में कॉर्डियोलॉजिकल आफ मुरादाबाद की कॉर्डियोलॉजी अपडेट-2026 में हृदय रोग विशेषज्ञों ने हृदय रोग के छिपे हुए खतरे पर चर्चा की।

कॉर्डियोलॉजिकल ऑफ मुरादाबाद की कॉर्डियोलॉजी अपडेट-2026 में चिकित्सकों ने दी जानकारी- एपेक्स अस्पताल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन अग्रवाल ने बताया

कि एलपीए को आसान भाषा में ऐसे समझ जा सकता है कि यह खून में मौजूद ऐसी चीज है, जो कई लोगों में जन्म से ही ज्यादा होती है। यह परिवार से मिलने वाली समस्या है। किसी व्यक्ति का सामान्य कोलेस्ट्राल ठीक होने के बावजूद एलपीए अधिक हो सकता है और इससे दिल की नसों में बीमारी का खतरा बढ़ सकता है।जिस परिवार में किसी व्यक्ति को कम उम्र में हार्ट अटैक हुआ हो, वहां दूसरे सदस्यों में एलपीए की जांच कराना जरूरी है। एक बार जांच कराने से इसके स्तर का पता चल सकता है। नई जीन-साइलेंसिंग तकनीक से भविष्य में एलपीए को बहुत कम करने की उम्मीद है।गाइडेड एंजियोप्लास्टी की आधुनिक तकनीक के बारे में बताया- डॉ. अपूर्व मित्तल ने गाइडेड एंजियोप्लास्टी की आधुनिक तकनीक के बारे में बताया। इसमें डॉ. अनूप सिंघल, अध्यक्ष डॉ. राजकपुर, डॉ. आलोक सिंघल ने भी हृदय रोग के खतरों के बारे में बताया। इसमें डॉ. मुकेश रायजादा, डॉ. अनुपमा बंसल, डॉ. शलभ अग्रवाल, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. शोभित शाह आदि रहे।

रेल यात्री ध्यान दें! मुरादाबाद से गुजरने वाली कई ट्रेनों का रूट बदला, देखें लिस्ट

लखनऊ स्टेशन पर यातायात और ओएचई कार्य के चलते 14 व 15 सितंबर को मुरादाबाद से गुजरने वाली कई ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं।14 और 15 सितंबर को मुरादाबाद से गुजरने वाली ट्रेनें प्रभावित होंगी। लखनऊ स्टेशन पर यातायात और ओएचई कार्य के कारण मार्ग बदले। दून, त्रिवेणी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी।यात्रियों को 14 और 15 सितंबर को मुरादाबाद से होकर गुजरने वाली ट्रेनों के यात्रियों को यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ेगी। लखनऊ स्टेशन पर यातायात और ओएचई कार्य के कारण कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं।

इनमें प्रयागराज संगम-बरेली, प्रयागराज संगम-सहारनपुर, त्रिवेणी एक्सप्रेस, दून एक्सप्रेस और बनारस-देहरादून एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें शामिल हैं। लखनऊ स्टेशन पर लाइन नंबर

चार और पांच पर यातायात और ओएचई ब्लॉक का समय बढ़ाया गया है। इसके साथ ही 14 और 15 सितंबर को प्लेटफार्म दो, तीन, छह और सात पर अतिरिक्त छह घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। यह ट्रेनें अपने निर्धारित मार्ग के बजाय उत्रटिया-ट्रांसपोर्ट नगर-आलमनगर के रास्ते चलाई जाएंगी।प्रयागराज संगम से बरेली जाने वाली 14307 संगम एक्सप्रेस और बरेली से प्रयागराज संगम जाने वाली 14308 ट्रेन बदले मार्ग से चलेंगी। इसी तरह 14241 प्रयागराज संगम सहारनपुर और 14242 सहारनपुर-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस का मार्ग भी बदला गया है। कई ट्रेनों के प्लेटफॉर्म भी बदले जाएंगे। टनकपुर से सिंगरौली और शक्तिनगर जाने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस की दोनों दिशाओं की कई ट्रेनें भी परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। हावड़ा-देहरादून और देहरादून-हावड़ा दून एक्सप्रेस के साथ ही बनारस-देहरादून और देहरादून-बनारस एक्सप्रेस भी प्रभावित ट्रेनों में शामिल हैं।सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि लखनऊ स्टेशन पर कई ट्रेनों के प्लेटफॉर्म भी बदले जाएंगे। यात्रियों को स्टेशन पहुंचने से पहले अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति और प्लेटफॉर्म की जानकारी एनटीईएस अथवा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 से लेने की सलाह दी गई है। आलमनगर, ऐशबाग और प्रयागराज जंक्शन पर चालक दल बदलने के लिए 10 मिनट का ठहराव दिया जाएगा, जबकि उत्रटिया और बादशाहनगर में पांच मिनट का ठहराव होगा।

अंतिम संस्कार के बीच भिड़े दो पक्ष, चिता की लकड़ियों से की मारपीट

अमरोहा के तिगरी गंगा धाम में अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट हुई। पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं, वीडियो वायरल है।उत्तर प्रदेश के अमरोहा से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। जहां अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते छोटा सा विवाद मारपीट में बदल गया। गजरौला थाना क्षेत्र स्थित तिगरी गंगा धाम में हुई इस घटना में लाठी-डंडों और चिता की लकड़ियों से ही लोग एक-दूसरे पर हमला करने लगे। मारपीट में पांच लोगों के घायल होने की जानकारी है, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अंतिम संस्कार के दौरान शुरू हुआ विवाद- बताया जा रहा है कि तिगरी गंगा धाम में एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार के लिए लोग पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। शुरुआत में मामूली नजर आ रहा विवाद कुछ ही देर में बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए।चिता की लकड़ियां उठाकर किया हमला- विवाद बढ़ने के बाद मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने चिता की लकड़ियां उठा लीं। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों और लकड़ियों से मारपीट शुरू हो गई। घटना के दौरान अंतिम संस्कार स्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मारपीट में पांच लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इनमें एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल- घटना के दौरान मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी मारपीट का वीडियो बना लिया। वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें कुछ लोग लकड़ियां और डंडों से एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी पुलिस-घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

रामपुर में पुलिस मुठभेड़, गैंगस्टर एक्ट के दो आरोपी गिरफ्तार; एक के पैर में लगी गोली

रामपुर के गंज थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान गैंगस्टर एक्ट के दो आरोपी गिरफ्तार किए गए। एक आरोपी के पैर में गोली लगी।गंज थाना पुलिस ने रविवार देर रात अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान रोकने पर आरोपियों ने टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे को पीछा कर पकड़ लिया गया। मोटरसाइकिल बरामद की है। घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध दिखे- पुलिस अधीक्षक रामपुर की ओर से अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बीती देर रात गंज पुलिस गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम रफत धर्मकांटा से चाकू चौक जाने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। इसी बीच मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में मोबीन के पैर में लगी गोली-पुलिस के मुताबिक, आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान मोबीन पुत्र नब्बू के पैर में गोली लग गई। मोबीन मूल रूप से खंडिया, थाना अजीमनगर का निवासी है और वर्तमान में नई बस्ती, थाना गंज, रामपुर में रह रहा है। गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। वहीं, दूसरा आरोपी रिजबान पुत्र जहूर, निवासी जूठिया थाना शहजादनगर, वर्तमान निवासी मोहल्ला गुजरटोला, थाना गंज, रामपुर, मौके से भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। दो तमंचे और कारतूस समेत बाइक बरामद-पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से 315 बोर के दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस, एक मिस कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। इसके अलावा बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल भी पुलिस के कब्जे में ली गई है। मोबीन पर करीब 18 मुकदमे दर्ज-पुलिस के अनुसार, आरोपी मोबीन थाना भोट में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहा था। उसके खिलाफ थाना भोट, अजीमनगर और गंज में गौकशी समेत अन्य मामलों के करीब 18 मुकदमे दर्ज हैं। दूसरे आरोपी रिजबान के खिलाफ थाना गंज, मिलक और सिविल लाइंस में चार मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा-पुलिस कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना गंज में आर्म्स एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

हाईवे पर खुले नॉनवेज होटल पर बवाल, BJP नेता का हंगामा, वीडियो वायरल

मुरादाबाद में दिल्ली-मुरादाबाद हाईवे पर एक नॉनवेज होटल बंद कराने की मांग को लेकर भाजपा नेता सुधांशु कौशिक ने समर्थकों के साथ हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत कराया, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दिल्ली-मुरादाबाद हाईवे पर रविवार रात एक नानवेज होटल को बंद कराने की मांग को लेकर भाजपा नेता सुधांशु कौशिक ने समर्थकों के साथ पहुंचकर हंगामा किया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। रात करीब 10 बजे सुधांशु कौशिक दर्जनों लोगों के साथ होटल पर पहुंचे और संचालक से होटल बंद करने के लिए कहने लगे। इस दौरान वहां मौजूद लोगों से कहासुनी हो गई और माहौल गर्मा गया। आरोप है कि नानवेज भोजन कर रहे लोगों ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया तथा होटल किसी भी कीमत पर नहीं चलने देने की धमकी दी गई। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह भाजपा नेता को शांत कराया। बताया जा रहा है कि दिल्ली-मुरादाबाद हाईवे पर साईं अस्पताल के बराबर हाल ही में यह होटल खोला गया है।

भाकियू टिकैत ने दो महीने बाद फिर बदली जिले की कमान, राजपाल सिंह बने जिलाध्यक्ष

रामपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने करीब दो महीने बाद जिले की कमान फिर बदल दी है। सैदनगर ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी राजपाल सिंह को नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। वहीं, जिलाध्यक्ष रहे दरबारी लाल शर्मा को पदोन्नति देकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश का महासचिव बनाया गया है। करीब दो महीने पहले धमोरा निवासी दरबारी लाल शर्मा को जगजीत सिंह गिल की जगह जिलाध्यक्ष बनाया गया था। उस समय जिले में कई स्थानों पर किसानों ने उनके जिलाध्यक्ष बनाए जाने का विरोध भी किया था। इसके बावजूद दो महीने के कार्यकाल में उन्होंने प्रदेश महासचिव हसीब अहमद के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं को लेकर सक्रियता दिखाई और संगठन के विस्तार पर भी काम किया।प्रदेश अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह यादव ने दरबारी लाल शर्मा को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जिम्मेदारी दी है। वहीं, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने बंजरिया निवासी चौधरी राजपाल सिंह को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। नए जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं ने प्रदेश महासचिव हसीब अहमद की मौजूदगी में खुशी जताई और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।हसीब अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व की संस्तुति पर लिया गया निर्णय संगठन को और मजबूत करेगा। दरबारी लाल शर्मा की मेहनत को देखते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी मिली है। वहीं, चौधरी राजपाल सिंह के जिलाध्यक्ष बनने से कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

पीआरडी जवान की बाइक में सामने से गलत साइड से आ रही बाइक ने मारी टक्कर

मिलक। ड्यूटी पर जा रहे पीआरडी जवान की बाइक में सामने से गलत साइड से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में पीआरडी जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।ग्राम कल्याणपुर निवासी शकुंतला देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पति पोशाकी लाल पीआरडी में कार्यरत हैं। 10 सितंबर की शाम करीब सात बजे वह बाइक से थाना खजुरिया में ड्यूटी करने जा रहे थे।कल्याणपुर और देवरी बुजुर्ग की गौटिया के बीच सामने से गलत साइड से एक बाइक पर सवार तीन युवक तेज गति और लापरवाही से बाइक चलाते हुए आ रहे थे। बाइक चालक ने पोशाकी लाल की बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगने से पोशाकी लाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर, सीने, हाथ और पैरों में चोटें आईं। हादसे में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। मौके से गुजर रहे कल्याणपुर निवासी सेवाराम और अन्य लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया।बाइक चालक की पहचान सुरेंद्र निवासी मैनी के रूप में हुई है, जबकि उसके साथ सवार दो अन्य युवक मौके से भाग गए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक हैं

बरेली जेल में हिंदी दिवस पर बंदियों को सिखाए कानूनी अधिकार

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में सोमवार को जिला कारागार में हिंदी दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सचिव जया प्रियदर्शिनी के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में बंदियों को हिंदी के महत्व के साथ-साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

मुफ्त कानूनी मदद- कैदियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में बताया गया, जिससे वे निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकें।

सराहनीय सहयोग: जेल अधीक्षक के सहयोग से आयोजित इस शिविर में डिप्टी जेलर राघवेंद्र वर्मा, शिक्षक योगेश गंगवार और अधिकार मित्र (PLV) सत्यपाल सिंह ने बंदियों को जागरूक कर मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

नए बीईओ ने संभाला कार्यभार, शिक्षकों ने किया स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। बेसिक शिक्षा विभाग में प्रशासनिक व्यवस्था के तहत नियुक्त किए गए नए खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) मुकेश कमल भारती ने गुरुवार को बीआरसी भुता पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। उन्हें भुता और फरीदपुर विकासखंड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर क्षेत्र की शैक्षिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति, शिक्षण कार्य की निगरानी और मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कराने के साथ ही शिक्षकों के सहयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा। नए बीईओ के कार्यभार ग्रहण करने पर प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष देशबंधु गंगवार, मंत्री यूनुस, जूनियर शिक्षक संघ भुता के अध्यक्ष राम रस्तोगी, मंत्री अनिल गंगवार, कोषाध्यक्ष कुशल कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कपिल देव शर्मा, प्राथमिक शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी मुनेंद्र कुमार सहित एआरपी और ब्लॉक के शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शिक्षकों ने उन्हें क्षेत्र की शैक्षिक गतिविधियों से भी अवगत कराया।

कान्हा उपवन पर अब कानून की नजर! अधिवक्ता मैदान में, जवाबदेही के सवालों से घिरा तंत्र

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। कान्हा उपवन गौशाला को लेकर उठे सवाल अब सिर्फ सड़कों, ज्ञापनों और सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहे। गौवंश की देखभाल और गौशाला की व्यवस्थाओं को लेकर आवाज उठाने वाली कान्हा उपवन सेवा संघर्ष समिति के समर्थन में जनपद न्यायालय के अधिवक्ता भी मैदान में उतर आए हैं। 14 सितंबर को पंचम होटल के सामने जारी समर्थन पत्र ने साफ संकेत दे दिया है कि अब इस प्रकरण में भावनाओं से ज्यादा कानून, दावों से ज्यादा दस्तावेज और सफाइयों से ज्यादा जवाबदेही की मांग होगी। अधिवक्ताओं ने समिति के शांतिपूर्ण एवं वैधानिक प्रयासों का समर्थन करते हुए निष्पक्ष, पारदर्शी और विधि-सम्मत जांच की जरूरत पर जोर दिया है। यानी अब सवाल सिर्फ यह नहीं कि किसने क्या कहा, बल्कि यह है कि कान्हा उपवन में वास्तव में हुआ क्या? और यहीं से जिम्मेदार तंत्र के सामने असली सवाल खड़े होते हैं- गौवंश की मौतें हुईं तो उनके कारणों का प्रमाणित रिकॉर्ड क्या है? बीमार पशुओं के इलाज की व्यवस्था थी तो चिकित्सकीय अभिलेख कहां हैं? चारा और पानी पर्याप्त था तो उसका नियमित रिकॉर्ड और निगरानी व्यवस्था क्या कहती है? सफाई और रखरखाव की व्यवस्था दुरुस्त थी तो मौके की वास्तविक स्थिति और निरीक्षण रिपोर्ट में कितना मेल है? अगर समिति के आरोप गलत हैं तो तथ्यों के साथ उनका खंडन क्यों नहीं किया जाता? और अगर कहीं लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारी तय करने में देर किस बात की? सबसे बड़ा सवाल- क्या गौशाला चलाना केवल बजट, निरीक्षण और कागजी रिपोर्टों की जिम्मेदारी है, या वहां मौजूद हर जीवित गौवंश की जिंदगी की भी जवाबदेही तय होगी?

अधिवक्ताओं का समर्थन किसी व्यक्ति को दोषी ठहराने का प्रमाण नहीं है और न ही समर्थन पत्र स्वयं किसी आरोप को सिद्ध करता है। लेकिन इस पत्र ने एक बात जरूर स्पष्ट कर दी है कि मामले को दबाने या आरोपों को महज शोर बताकर खारिज करने के बजाय अब निष्पक्ष जांच की मांग को गंभीरता से लेना होगा।

क्योंकि यदि व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है तो स्वतंत्र जांच सबसे बड़ा बचाव बन सकती है। और यदि जांच में खामी निकलती है तो जिम्मेदारी से बचने के रास्ते भी बंद होने चाहिए। अब जनता यह जानना चाहती है कि कान्हा उपवन की व्यवस्था के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है? निगरानी किसकी है? निरीक्षण कौन करता है? रिपोर्ट कौन बनाता है? खामियां मिलने पर कार्रवाई कौन करता है? और यदि किसी स्तर पर लापरवाही साबित होती है तो जवाबदेह अधिकारी या संस्था के खिलाफ क्या कार्रवाई होगी?

गौसेवा के नाम पर तालियां बटोरना आसान है, लेकिन बेजुबानों की मौत और दुर्दशा के सवाल पर जवाब देना कठिन। अब मामला नारे का नहीं, नतीजे का है। दावे का नहीं, दस्तावेज का है। और सबसे बढ़कर-जवाबदेही का है। कान्हा उपवन में अगर सब ठीक है तो जांच से तस्वीर और साफ होगी; अगर कुछ गलत है तो सच सामने आना ही चाहिए। आखिर गौवंश के नाम पर चल रही व्यवस्था में जवाबदेही भी किसी की तो होगी!

जीवन , ईश्वर का दिया अनमोल अवसर ; भागदौड़ भरी जिंदगी में जीवन जीना न भूलें

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मनुष्य जीवन ईश्वर का दिया हुआ अनमोल अवसर है। हम रोजमर्रा की भागदौड़, महत्वाकांक्षाओं और भविष्य की योजनाओं में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वर्तमान जीवन की कीमत ही भूल जाते हैं। जबकि भारतीय दर्शन सदियों से मनुष्य जन्म को दुर्लभ और महत्वपूर्ण मानता आया है। विवेकचूड़ामणि में कहा गया है- दुर्लभं त्रयमेवैतत्... अर्थात मनुष्य जन्म, सत्य को जानने की इच्छा और श्रेष्ठ लोगों का सान्निध्य दुर्लभ है। इसलिए महत्वपूर्ण यह नहीं कि हमने कितने वर्ष जिए, बल्कि यह है कि उन वर्षों को किस तरह सार्थक बनाया। समय कभी लौटकर नहीं आता। प्रेम, सपने और अच्छे कार्यों को कल पर टालने के बजाय आज को बेहतर बनाने की जरूरत है। समय का सम्मान ही जीवन का सम्मान है। श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश है- कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। इसलिए अपने दायित्व को ईमानदारी, अनुशासन और पूरी निष्ठा से निभाना ही जीवन की सच्ची साधना है। जीवन की सार्थकता केवल धन, पद और प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि दूसरों के काम आने में है। ज्ञान मिला है तो बांटें, शक्ति मिली है तो कमजोर का सहारा बनें और संसाधन मिले हैं तो जरूरतमंद की मदद करें। जीवन तब बड़ा बनता है, जब उसमें 'मैं' से आगे 'हम' शामिल होता है। हर दिन स्वयं से पूछें-आज मैंने क्या सीखा, किसके जीवन में कुछ अच्छा जोड़ा और अपने भीतर क्या बेहतर किया? चरैवेति चरैवेति-चलते रहें, सीखते रहें और सेवा करते रहें। क्योंकि जीवन मिलना सौभाग्य है, लेकिन उसे सार्थक बनाना हमारा दायित्व है।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में हिन्दी के रंग नव-प्रवेशितों के संग शिक्षा का दिखा अनूठा संगम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में बी.एड. एवं बी.ए. विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय हिन्दी दिवस, गणेश चतुर्थी और नव-प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना की मनमोहक नृत्य प्रस्तुति के साथ हुआ। बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. कमल किशोर मेहरोत्रा ने मुख्य अतिथि डॉ. प्रतिभा सागर (विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिका विभाग, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय) सहित मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया, वहीं बी.ए. संकाय अध्यक्षा डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रतिभा सागर ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी भावनाओं और समृद्ध संस्कृति को अभिव्यक्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है। हिन्दी प्रवक्ता डॉ. सचिन पाल सिंह ने हिन्दी के महत्व और वर्तमान उपयोगिता पर विचार रखे। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक काव्य पाठ और पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेता- काव्य पाठ- आकांक्षा (बी.ए. द्वितीय वर्ष) - प्रथम, सना (बी.ए. प्रथम वर्ष) - द्वितीय, पायल (बी.ए. प्रथम वर्ष) - तृतीय। पोस्टर प्रतियोगिता- सलोनी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) - प्रथम, सुकृति चौहान (बी.ए. द्वितीय वर्ष) - द्वितीय, सना (बी.ए. प्रथम वर्ष) - तृतीय, एवं स्नेहा (बी.ए. प्रथम वर्ष) - सांत्वना पुरस्कार। मंच संचालन डॉ. रंजना जायसवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन नमिता गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, निदेशक डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल, मीडिया प्रभारी डॉ. ए.के. शर्मा सहित समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

समिट में उपमुख्यमंत्री ने किया गौवंश की देशी नस्लों के संरक्षण की चिप का लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। फतेहगंज पश्चिमी स्थित बीएल कामधेनु में दो दिवसीय कैटल जीनोमिक्स समिट का आयोजन किया है। इस समिट में गौवंश की देशी नस्लों के संरक्षण, आनुवंशिक क्षमता बढ़ाने और उन्नत कृषि एवं टिकाऊ डेयरी विकास को बढ़ावा देने पर विशेषज्ञों ने मंथन किया। मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह और पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने गौवंश संरक्षण और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया

समिट में भारतीय देशी नस्लों की आनुवंशिक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रजनन तकनीक, जीनोमिक चयन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रयोगशाला आधारित अनुसंधान के उपयोग पर चर्चा हुई। इस दौरान मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भारत की पहली स्वदेशी गिर कैटल एसएनपी चिप का लोकार्पण किया। इसके बाद भारत-ब्राजील सहयोग पर पैनल चर्चा हुई। इसमें गिर नस्ल के संरक्षण, आनुवंशिक सुधार और पशुधन विकास में दोनों देशों के सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की गई। समिट में इन विषयों पर दो दिनों तक मंथन किया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दरगाह हाजी बाबा के उर्स में कुल शरीफ की रस्म हुई अदा, देश में अमन चैन की हुई दुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी- कस्बे में दरगाह हाजी बाबा के 42वें सालाना उर्स में सोमवार को कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। फज्र की नमाज के बाद शुरू हुए कार्यक्रम में अकीदतमंदों ने चादरपोशी व गुलपोशी कर मुल्क की खुशहाली की दुआ मांगी। अजमेर शरीफ से आए सज्जादा नशीन गफ्फार मियां ने चादर व फूल पेश कर फातहा पढ़ी। महफिल में ताहिर चिश्ती ने कलाम पेश किए। नगर पंचायत अध्यक्ष इमराना बेगम ने कव्वाल ताहिर चिश्ती का इस्तकबाल कर कमेटी को हौसला अफजाई किया। कमेटी प्रबंधक साहिल अंसारी ने कहा कि यह कव्वाली का आयोजन सूफी परंपरा कौमी एकता की मिसाल है। इस मौके पर सरदार अंसारी, हसनैन, कलीम, असद अंसारी, असलम कव्वाल, रियाज अहमद, नसीम रजा, मुन्ना मिस्त्री, दिलशाद व बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सुरक्षा के मद्देनजर चौकी प्रभारी आदेश कुमार टीम के साथ मुस्तैद रहे

किसानों की समस्याओं का होगा समाधान, 16 सितंबर को विकास भवन में किसान दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो /बरेली। किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान और कृषि संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए 16 सितंबर को किसान दिवस का आयोजन किया जाएगा। उपनिदेशक कृषि ओपी मिश्र ने बताया कि कृषि विभाग के कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस आयोजित किया जाता है। इस माह किसान दिवस 16 सितंबर को दोपहर 12 बजे विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में होगा। कार्यक्रम में कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी तथा प्रगतिशील किसान शामिल होंगे। किसानों की समस्याओं पर चर्चा कर क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार उनके निराकरण की कार्रवाई की जाएगी।

डीजे संग अधिकारियों ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ- माननीय जिला जज बदायूँ विवेक संगल, जिलाधिकारी अवनीश राय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तौसीफ रज़ा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा द्वारा जिला कारागार बदायूँ का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बन्दी बैरकों, किशोर बैरक, पाकशाला, चिकित्सालय आदि का निरीक्षण किया गया। फोर्स के साथ बंदियों की तलाशी ली गई। निरीक्षण के दौरान बंदियों से वार्ता कर सुविधाओं व समस्याओं की जानकारी ली गयी। डीजे ने निर्देश दिए कि बंदियों के हिस्ट्री टिकट में चिकित्सक आयु ठीक निर्धारित करके लिखें। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जेल परिसर के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाये व साफ-सफाई दुरुस्त रखी जाए। इस अवसर पर कारागार अधीक्षक राजेन्द्र कुमार व जेलर शैलेश कुमार सिंह सोनकर व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

19 सितम्बर को होगा वृहद रोजगार मेले का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ-जिला मजिस्ट्रेट अवनीश राय ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अन्तर्गत बेरोजगार अभ्यर्थियों हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बदायूँ तथा कौशल विकास मिशन बदायूँ के संयुक्त तत्वाधान में 19 सितम्बर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से पंडित दीनदयाल उपाध्याय सत्यवती मेमोरियल इण्टर कालेज ढिलवारी दातागंज बदायूँ परिसर में एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 35 से 40 कम्पनियाँ प्रतिभाग कर रही हैं। मेले में हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर पास, आई0टी0आई0, डिप्लोमा इत्यादि उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच हो भाग ले सकते हैं।

मेले में लगभग 2000 अभ्यर्थियों के उपस्थित होने की सम्भावना है। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपें हैं।

श्री गणेश चतुर्थी पर विधिवत पूजन-अर्चन कर मनाया उत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच /। विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती पिलखुवा, हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगर में भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश का जन्मोत्सव धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना सभा के बाद भगवान गणेश के पूजन-अर्चन से हुआ।प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने भगवान गणेश के जन्म एवं उनके प्रथम पूज्य होने की कथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान गणेश माता पार्वती और भगवान शिव के पुत्र हैं। उन्होंने बताया कि माता-पिता की प्रदक्षिणा पूर्ण कर भगवान गणेश ने यह संदेश दिया कि माता-पिता ही संपूर्ण संसार के समान हैं। इसी कारण प्रत्येक शुभ कार्य से पहले भगवान गणेश की वंदना और पूजा की जाती है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता माना गया है। विद्यालय के आचार्यों तथा वंदन प्रमुख एवं कन्या भारती की पदाधिकारी बहनों ने भगवान गणेश को दूर्वा और पीले कनेर के पुष्प अर्पित कर विधिवत पूजन किया। इसके बाद मोतीचूर के पीले लड्डुओं का भोग लगाया गया। सभी भैया-बहनों और आचार्य-दीदी ने सामूहिक रूप से भगवान गणेश की आरती की। इस अवसर पर नरोत्तम सिंह, ब्रजकिशोर मौर्य, धर्मेंद्र कुमार, उमेश कुमार, प्रेमपाल, विजेंद्र सिंह, गौरव सिंह, दिलीप कुमार, संजय सिंह, प्रकाश बाबू, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य, विनीता, पूजा टैगोर, कन्या भारती अध्यक्ष कुमारी कोमल मौर्य, गीता मौर्य, कुमारी प्रियांशी, कुमारी आराधना, आंचल तथा कुमारी मोहिनी सहित विद्यालय के आचार्य-आचार्या एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूजन के बाद सभी को तिलक लगाकर आरती कराई गई तथा मोतीचूर के बेसन के लड्डुओं का प्रसाद वितरित किया गया।

गणेश चतुर्थी पर विद्यालय में हुआ भक्तिमय कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच /। लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर वंदना सत्र में भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। कार्यक्रम में श्रीधाम अयोध्या से आए कथा वाचक अतुल कृष्ण भारद्वाज के वरिष्ठ सहयोगी हिमांशु त्रिपाठी, धर्म जागरण मंच के मुरादाबाद विभाग के सह विभाग संयोजक दिनेश तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पर्यावरण गतिविधि संयोजक विभोर पांडेय ने सहभागिता की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रामवीर सिंह ने अतिथियों का परिचय कर स्वागत किया। वरिष्ठ आचार्य विवेक कुमार ने तिलक लगाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया। हिमांशु त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और धर्म के प्रति जागरूक करते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का वाचन कर उनके जीवनोपयोगी संदेश समझाए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की मूल भावना धर्म, संस्कार और सदाचार से जुड़ी है। उन्होंने 19 से 25 सितंबर तक बिलारी में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा में धर्मप्रेमियों से पहुंचकर कथा श्रवण करने का आह्वान किया। भगवान गणेश के जयघोष और मां सरस्वती की वंदना से विद्यालय परिसर

भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। कार्यक्रम में मुकेश, जगजीत, रामाशंकर, देवराज, हिमांशु, नितिन, यशपाल, राजवीर, विधि, ऋतु, सोनी, शिवानी, नैना, रासुका आदि मौजूद रहे।

रानी प्रीतम कुंवर स्कूल में हिंदी दिवस और गणेश चतुर्थी का आयोजन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । रानी प्रीतम कुंवर स्कूल में सोमवार को हिंदी दिवस और गणेश चतुर्थी का संयुक्त आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

विद्यालय के सभा प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य रंजीत ईश्वर और वरिष्ठ अध्यापक परमानंद सक्सेना ने भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कक्षा आठ की छात्रा प्रियांशी ने भगवान गणेश को समर्पित नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम का संचालन स्नेहा और सिमरन ने किया। हिंदी दिवस के अवसर पर कक्षा सात एवं आठ की छात्राओं आयत और तूबा ने हिंदी भाषा के महत्व पर विचार व्यक्त किए। कक्षा 11 की छात्राओं मरियम, सोनम और दिव्यांशी ने हिंदी पर आधारित कविताओं का पाठ किया। छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व और उसके संरक्षण का संदेश भी दिया। नाटक में अलिश्बा, रम्शा, अपन्ना, निष्ठा, पालक, फारिया, मुस्कान, आयुष, प्रियांशी, आरिश, समरीन और शाद ने अभिनय किया। समापन पर प्राचार्य रंजीत ईश्वर और वरिष्ठ अध्यापक परमानंद सक्सेना ने हिंदी दिवस के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों का आभार जताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गतिविधि प्रभारी अमित सक्सेना, अंजू सिंह, नायला खान, कक्षा अध्यापकों तथा विद्यालय परिवार का सहयोग रहा।

एसबीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हिंदी दिवस मनाया

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। एसबीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि और प्रतिभा को परखने के लिए विभिन्न मौखिक एवं लिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कक्षा एक में रूबी हाउस की अक्षरा प्रथम, सफायर हाउस की अनाया द्वितीय तथा एमरैल्ड हाउस की अलीना तृतीय रहीं। कक्षा दो में रूबी हाउस की आयशा और एमरैल्ड हाउस के अफजल खान प्रथम, रूबी हाउस के अभ्यांश और डायमंड हाउस की मिस्टी द्वितीय तथा सफायर हाउस की मानवी तृतीय रहीं। कक्षा तीन, चार और पांच में काव्य पाठ प्रतियोगिता हुई। कक्षा तीन में रूबी हाउस के अबू तल्हा प्रथम, डायमंड हाउस की मिष्ठी द्वितीय तथा एमरैल्ड हाउस की अनुष्का और सफायर हाउस की निष्ठा तृतीय रहीं। कक्षा चार में डायमंड हाउस की सौरवी अग्रवाल और

एमरैल्ड हाउस की पावनी गोला प्रथम, सफायर हाउस की अवनि द्वितीय तथा डायमंड हाउस के अद्विक सिंह और रूबी हाउस के अब्दुल्ला तृतीय रहे। कक्षा पांच में रूबी हाउस के कृष्णा प्रथम, डायमंड हाउस के ग्रंथ गुप्ता द्वितीय तथा डायमंड हाउस के अभि भारद्वाज और रूबी हाउस की पलक तृतीय रहीं। कक्षा छह और सात में इमला प्रतियोगिता आयोजित हुई। कक्षा छह में डायमंड हाउस की दर्शिका प्रथम, रूबी हाउस की तेजस्वी द्वितीय तथा सफायर हाउस की रूही चौधरी तृतीय रहीं। कक्षा सात में रूबी हाउस की आराध्या और वारनवी गुप्ता प्रथम, रूबी हाउस की आलिया नूर द्वितीय तथा एमरैल्ड हाउस की पावनी नेहरा और सफायर हाउस की वैष्णवी शर्मा तृतीय रहीं। कक्षा आठ में लक्ष्य सागवान, यशु और छवि गुप्ता प्रथम रहे। एमरैल्ड हाउस की समृद्धि दुबे और डायमंड हाउस के विहांग गुप्ता द्वितीय तथा रूबी हाउस के दिवेश और सफायर हाउस के शौर्य चौधरी तृतीय रहे। कक्षा नौ और 11 में वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी में उग्र छात्रों की भूमिका विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे। कक्षा 11 विज्ञान के डायमंड हाउस के तेजस्व गणेश प्रथम, कक्षा नौ की डायमंड हाउस की आराध्या शर्मा और कक्षा 11 विज्ञान के एमरैल्ड हाउस के रुद्राक्ष चौधरी द्वितीय तथा कक्षा नौ की एमरैल्ड हाउस की हर्षिता और कक्षा 11 वाणिज्य की सफायर हाउस की खुशी तृतीय रहीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य संयोग वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को हिंदी दिवस के महत्व और हिंदी भाषा की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।

मां की जुबान पर निकली बात हुई सच: कलेक्टर नहीं तो विदेश पढ़ने जरूर जा रहा नाती, दादी के आशीर्वाद से फ्रांस रवाना होंगे श्रेय कुमार तिवारी

क्यूँ न लिखूँ सच / सामान्य परिवार से निकले प्रदीप कुमार तिवारी ने बेटे को देहरादून के बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाया, अब उच्च शिक्षा के लिए फ्रांस जाएंगे श्रेय कुमार तिवारी रीवा/सीधी। कहते हैं कि मां के मुंह से निकले आशीर्वाद के शब्द कभी व्यर्थ नहीं जाते। कई बार मां की कही हुई साधारण-सी बात वर्षों बाद ऐसी सच्चाई बनकर सामने आती है कि आंखें नम हो जाती हैं। कुछ ऐसी ही भावुक कहानी सामने आई है रीवा-सीधी से, जहां सामान्य परिवार से आने वाले प्रदीप कुमार तिवारी ने अपने बेटे श्रेय कुमार तिवारी की शिक्षा के लिए लगातार मेहनत की और आज उनका बेटा उच्च शिक्षा के लिए विदेश की उड़ान भरने जा रहा है। BBA करने के बाद श्रेय कुमार

तिवारी ने G MAT का टेस्ट पास किया जिसमें 95% आए थे कभी श्रेय कुमार तिवारी देहरादून के बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई करते थे। बेटे के घर आने-जाने का सिलसिला कम हुआ तो एक दिन दादी मां ने भावुक अंदाज में उनसे कहा था- क्या हमारे नाती को कलेक्टर बनाओगे या विदेश भेजोगे पढ़ने के लिए?- उस समय शायद यह सिर्फ एक मां की इच्छा और आशीर्वाद था, लेकिन आज वही शब्द प्रदीप कुमार तिवारी को बार-बार याद आ रहे हैं। मां इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी बात आज भी साथ है आज प्रदीप कुमार तिवारी की मां इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसे में जब उनके बेटे के फ्रांस जाने का सपना पूरा होने जा रहा है, तो उन्हें अपनी मां की कही हुई हर बात पल-पल याद आ रही है। प्रदीप कुमार तिवारी कहते हैं कि कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे उनकी मां को पहले से ही पता था कि उनका नाती एक दिन विदेश जाकर पढ़ाई करेगा। आज भगवान गणेश जी की कृपा और परिवार के आशीर्वाद से हरतालिका तीज के पावन अवसर पर श्रेय कुमार तिवारी का फ्रांस का वीजा भी आ गया। परिवार के लिए यह पल खुशी के साथ-साथ भावनाओं से भी भरा हुआ है। दून बिजनेस स्कूल से BBA के बाद अब फ्रांस में MIM की पढ़ाई- श्रेय कुमार तिवारी ने दून बिजनेस स्कूल, देहरादून से BBA की पढ़ाई पूरी की है। अब वह फ्रांस जाकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्ढ्रूयानी Master in Management की डिग्री हासिल करने की तैयारी में हैं। परिवार का सपना केवल विदेश में पढ़ाई तक सीमित नहीं है। प्रदीप कुमार तिवारी का कहना है कि फ्रांस से उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद श्रेय कुमार तिवारी एक बार MPPSC और एक बार क्स्ष्ट की परीक्षा में जरूर बैठेंगे। यानी दादी की इच्छा को पूरा करने और समाज व देश के लिए कुछ करने का सपना अभी भी परिवार के दिल में जिंदा है। एक पिता का संघर्ष, एक मां का आशीर्वाद और बेटे की नई उड़ान- प्रदीप कुमार तिवारी की कहानी उन तमाम माता-पिताओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। बेटा फ्रांस जा रहा है, लेकिन इस सफर में एक पिता की वर्षों की मेहनत, एक दिवंगत दादी का आशीर्वाद और पूरे परिवार की उम्मीदें शामिल हैं। कलेक्टर बनने का सपना अभी बाकी है, लेकिन विदेश जाकर उच्च शिक्षा हासिल करने की दादी की कही बात आज सच हो चुकी है। रीवा-सीधी से श्रेय कुमार तिवारी की यह नई उड़ान केवल एक परिवार की खुशी नहीं, बल्कि यह संदेश भी है कि सपने बड़े हों, रास्ते कठिन हों, लेकिन परिवार का विश्वास और बड़ों का आशीर्वाद साथ हो तो मंजिल जरूर मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

बप्पा के जयकारों से गूंजा बिलारी, शिव मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। नगर के मोहल्ला अब्दुल्ला स्थित शिव मंदिर में सोमवार को गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया

गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भगवान श्री गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान पूरा वातावरण %गणपति बप्पा मोरया% के जयकारों से भक्तिमय हो गया। मंदिर से शुरू हुई यह यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी, जहाँ स्थानीय निवासियों ने जगह-जगह भगवान गणेश की आरती उतारी और पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने बप्पा के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य रूप से अखिलेश पांडे, रोमी बंसल, राजू बंसल, रूपक बंसल, भगवान चंद सक्सेना, वाशु शर्मा, वीर गुप्ता, कार्तिक पांडे, अजय पराशरी, विकास सक्सेना, सुधीर बंसल, संजय गुप्ता, मुकेश बंसल, राहुल सक्सेना, अंकित पराशरी, हिमांशु शर्मा, अजय शर्मा, विक्की सक्सेना, नीटू सक्सेना, शशि सक्सेना, शशि शर्मा, अंशु शर्मा, मंजू गुप्ता, गीता गुप्ता, सुनीता पांडे, अवधेश शर्मा, नेहा पांडे, स्नेहा पांडे, मुस्कान शर्मा, झलक, कमलेश ठाकुर और निशा सक्सेना सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

समोदिया रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती पिलखुआ हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय रुस्तम नगर में राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने सभी भैया-बहनों एवं आचार्यों को हिंदी दिवस पखवाड़े के दौरान दैनिक जीवन में बोलचाल, लेखन और पठन में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है, इसलिए दैनिक व्यवहार में इसका प्रयोग प्राथमिकता से किया जाना चाहिए। उन्होंने हिंदी में हस्ताक्षर करने, हिंदी के अंकों का प्रयोग सीखने तथा बैंक, डाकघर, रेलवे सहित दैनिक कार्यों में हिंदी को प्रमुखता देने का आह्वान किया। विद्या भारती शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र, हरियाणा के निर्देशानुसार देशभर में शिशु, बाल, किशोर एवं तरुण वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित विषयों पर निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यालय में बाल वर्ग के लिए 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष' तथा किशोर वर्ग के लिए 'नैतिक कर्तव्य एवं पर्यावरण' विषय पर निबंध प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में 529 भैया-बहनों ने भाग लिया। इसके अलावा 15 आचार्यों ने 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा' विषय पर निबंध लिखा। इस अवसर पर सभी बहनों ने दैनिक जीवन में हिंदी भाषा का नियमित प्रयोग करने की शपथ भी ली। हिंदी प्रवक्ता ब्रजकिशोर मौर्य, परीक्षा प्रभारी उमेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, नरोत्तम सिंह, गौरव सिंह, विजेंद्र सिंह, संजय सिंह, दिलीप कुमार, सुनील कुमार, प्रेमपाल, सुनीता रानी, मोर अंजली, मोर पूजा, टैगोर विनीता आदि ने निबंध प्रतियोगिता के आयोजन में सहयोग किया।

नोएडा हवाई अड्डे का नाम महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम पर रखने की मांग

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नामकरण संघर्ष समिति के आह्वान पर बिलारी क्षेत्र के आर्य समाज कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को

संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी प्रिंस वर्मा को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम महर्षि दयानंद सरस्वती अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखने की मांग की गई।ज्ञापन में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों से अत्यधिक प्रभावित हैं। ऐसे में संपूर्ण आर्य जगत को उनसे अपेक्षा है कि वह नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम पर किए जाने की मांग पर गंभीरता से विचार करेंगे। आर्य समाज कार्यकर्ताओं ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों और राष्ट्रहित में उनके योगदान को देखते हुए हवाई अड्डे का नाम उनके नाम पर रखा जाना उचित होगा। इस अवसर पर ऋषि पाल सिंह, राजपाल सिंह, निहाल सिंह सभासद, हरनाम सिंह, संदीप, चरण सिंह, मोकम और जय गोपाल आदि मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश सरकार और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से सहयोग की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच /रीवा प्रदीप कुमार तिवारी का कहना है कि एक सामान्य परिवार से आने वाले व्यक्ति के लिए बेटे की विदेश में उच्च शिक्षा का खर्च उठाना आसान नहीं है। उन्होंने अपने सामर्थ्य के अनुसार बेटे की शिक्षा में पूरी मेहनत की है, लेकिन आगे की पढ़ाई और विदेश में रहने के खर्च को लेकर आर्थिक दबाव भी है। ऐसे में मध्य प्रदेश सरकार एवं रीवा विधायक उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से विनम्र अपील की गई है कि यदि शासन के नियमानुसार किसी योजना अथवा विधायक निधि से वैधानिक रूप से संभव आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जा सके, तो यह एक प्रतिभाशाली विद्यार्थी के उच्च शिक्षा के सफर में बड़ी मदद साबित होगी। प्रदीप कुमार तिवारी का कहना है कि यह किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं, बल्कि एक पिता की अपने बेटे की शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग की उम्मीद है। यदि सरकार की ओर से नियमानुसार कोई सहायता मिलती है, तो इससे श्रेय कुमार तिवारी की विदेश में उच्च शिक्षा का सफर और आसान हो सकेगा। एक पिता का संघर्ष, दादी का आशीर्वाद और बेटे की नई उड़ान- श्रेय कुमार तिवारी फ्रांस जाने की तैयारी में हैं। पीछे मुड़कर देखने पर इस सफर में देहरादून के बोर्डिंग स्कूल से लेकर BBA, GMAT की सफलता और अब फ्रांस में MIM की पढ़ाई तक कई पड़ाव दिखाई देते हैं। लेकिन इस पूरी कहानी के केंद्र में है-एक पिता का संघर्ष और एक दिवंगत दादी का आशीर्वाद। कभी दादी ने पूछा था-नाती को कलेक्टर बनाओगे या विदेश भेजोगे? आज विदेश जाने की बात सच हो चुकी है। अब परिवार की कोशिश है कि श्रेय कुमार तिवारी उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद देश लौटें और MPPSC एवं PSC जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के माध्यम से दादी के उस सपने को भी पूरा करने का प्रयास करें।रीवा-सीधी के इस सामान्य परिवार के बेटे की फ्रांस तक पहुंची यह कहानी केवल एक परिवार की खुशी नहीं, बल्कि यह संदेश भी देती है कि माता-पिता अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने के लिए परिस्थितियों से लड़ते हुए किस तरह आगे बढ़ते हैं।

अब उम्मीद है कि मध्य प्रदेश सरकार और रीवा विधायक उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल इस प्रतिभाशाली विद्यार्थी की शिक्षा के लिए नियमानुसार संभव सहयोग पर सकारात्मक विचार करेंगे।

अवैध भरमार बंदूक के साथ आरोपी गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गोपालपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक के कब्जे से देशी हाथ से बनी भरमार बंदूक बरामद की है। पुलिस ने बंदूक के साथ बारूद और लोहे के छर्रे भी जब्त किए हैं। जब्त हथियार एवं सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 5 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम गोपालपुर निवासी टीपू खान पिता मुंशी खान, उम्र 28 वर्ष के पास अवैध हथियार है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से एक देशी हाथ से बनी भरमार बंदूक, बारूद एवं लोहे के छर्रे बरामद किए। मामले में गोपालपुर थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 47/26, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं पोहरी एसडीओपी आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उनि राधेश्याम शिवहरे एवं पुलिस टीम द्वारा की गई। कार्रवाई में सउनि श्यामलाल खरगे, आरक्षक दधिराम गुर्जर, आरक्षक राहुल जाट, आरक्षक तरुण मांढरे एवं प्रधान आरक्षक दिलीप ओझा का सराहनीय योगदान रहा।

जिला कारागार उरई: प्राधिकरण की सचिव ने जानी बंदियों की समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ उरई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने 14 सितंबर 2026 को जिला कारागार उरई का साप्ताहिक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न बैरकों का भ्रमण कर बंदियों से उनकी समस्याएं जानीं तथा जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ऐसे बंदियों की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन भेजने के निर्देश दिए गए, जिनकी जमानत सक्षम न्यायालय से हो चुकी है,

लेकिन जमानतदार न मिलने के कारण वे जेल से रिहा नहीं हो पा रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों की जमानत विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से कराने पर भी जोर दिया गया। महिला बंदियों तथा उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा, खान-पान और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली गई। परिजनों की सहायता के लिए स्थापित लीगल एड हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया गया। इसके बाद हिंदी दिवस के अवसर पर लोक अदालत के लाभ विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में असिस्टेंट प्रथम एलएडीसी श्री अभिषेक पाठक ने जानकारी दी। इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्री प्रशान्त मौर्या, कारापाल श्री प्रदीप कुमार, उपकारापाल श्री अमर सिंह, श्रीमती सुखवती तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन के लिपिक श्री शुभम शुक्ला उपस्थित रहे।

एमपी के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, बीएल एग्रो के कामधेनु कार्यक्रम में हुए शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र एएनए रोड स्थित बीएल एग्रो के कामधेनु कार्यक्रम शामिल होने बरेली पहुंचे एमपी के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, बीएल एग्रो के कामधेनु कार्यक्रम में हुए शामिल।शिव को प्रणाम, फिर कामधेनु कार्यक्रम में की शिरकत,दूध उत्पादन बढ़ाने पर डिप्टी सीएम का जोर रहा।

मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला सोमवार को बरेली पहुंचे। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र स्थित बीएल एग्रो के कामधेनु परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले डिप्टी सीएम ने कामधेनु परिसर में बने मंदिर में भगवान शिव को प्रणाम किया। इसके बाद वह कार्यक्रम में पहुंचे, जहां बीएल एग्रो की टीम ने उनका जोरदार स्वागत किया।

बीएल एग्रो के कामधेनु कार्यक्रम में पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और स्वस्थ भारत के संकल्प को लेकर चर्चा हुई। बीएल एग्रो बैल कोल्हू तेल के बड़े उत्पादकों में भी शामिल है।

कार्यक्रम के बाद मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बीएल एग्रो के मालिक खंडेलवाल जी ने जो पहल की है, उससे निश्चित रूप से प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे नकली पनीर और दूध से बने मिलावटी उत्पादों की समस्या को कम करने में भी मदद मिलेगी।

डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत के साथ स्वस्थ भारत बनाने का संकल्प है। ऐसे कार्यक्रम इस संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस कार्यक्रम में बरेली के भाजपा के वन पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार व दुग्ध मंत्री धर्मपाल सिंह, मीरगंज विधायक डॉ डीसी वर्मा और क्षेत्रीयनेता मौजूद रहे।

एलपीजी सुरक्षा के लिए शिवपुरी प्रशासन की पहल:गैस वितरण वाहनों में बजेगा "भाई आया रे गैस सिलेंडर" गीत

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, घरेलू एलपीजी गैस के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने तथा संभावित हादसों व दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से खाद्य विभाग द्वारा एक जनहितैषी पहल की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा जिले में कार्यरत प्रमुख तेल व गैस कंपनियों (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के सेल्स ऑफिसर्स एवं समस्त गैस एजेंसी संचालक को आदेश जारी कर एलपीजी गैस वितरण वाहनों में एलपीजी सुरक्षा जागरूकता गीत "भाई आया रे गैस सिलेंडर" का प्रसारण करने के निर्देश दिए गए हैं।

संगीतमय माध्यम से सुरक्षा और सावधानियों का प्रचार-प्रसार- जारी आदेश के अनुसार उपभोक्ताओं में एलपीजी गैस के सुरक्षित उपयोग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर जमीनी प्रचार-प्रसार आवश्यक है।

इसी क्रम में उपभोक्ता संगठन "ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन" द्वारा तैयार विशेष जागरूकता गीत "भाई आया रे गैस सिलेंडर" के माध्यम से आमजन को शिक्षित किया जाएगा। इस गीत में मुख्य रूप से सिलेंडर लेते समय सील व सही वजन की जांच करने, डिलीवरी बॉय से सुरक्षा मानकों का पालन कराने तथा गैस लीकेज की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों व आपातकालीन नंबरों की जानकारी अत्यंत सरल तरीके से दी गई है।

गैस डिलीवरी वाहनों के माध्यम से पहुंचेगा संदेश- जिला आपूर्ति अधिकारी ने गीत का लिंक संलग्न कर सभी तेल कंपनियों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी का वितरण करने वाले हॉकर्स एवं वितरण वाहनों के माध्यम से इस गीत का लगातार प्रसारण किया जाएगा, ताकि जब भी सिलेंडर किसी उपभोक्ता के घर पहुंचे, वे सुरक्षा के प्रति तुरंत सतर्क व सजग हो सकें।

जिला प्रशासन और ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन के समन्वय से जिले के लाखों एलपीजी उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। यह गीत सीधे उपभोक्ताओं के दरवाजे तक सुरक्षा का संदेश पहुंचाएगा और गैस दुर्घटनाओं को रोकने में मददगार सिद्ध होगा।

हरितालिका कजरी तीज पर जंगली नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब लाखों श्रद्धालुओं और कांवरियों ने किया भगवान शिव का जलाभिषेक, सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहा पुलिस-प्रशासन नानपारा

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह / बहराइच/ बहराइच हरितालिका कजरी तीज पर्व के अवसर पर नानपारा क्षेत्र स्थित श्री सिद्ध पीठ जंगली नाथ मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना रहा। पर्व के मौके पर मंदिर परिसर में लाखों की संख्या में शिव भक्तों और कांवरियों का सैलाब उमड़ पड़ा। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पर्व को लेकर रात्रि से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। हाथों में कांवर और बोल बम के जयकारे लगाते हुए बड़ी संख्या में कांवरिये मंदिर पहुंचे। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। भक्तों ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंजता रहा।

श्री सिद्ध पीठ जंगली नाथ मंदिर के पुजारी एवं अध्यक्ष आचार्य अनिल शास्त्री गोस्वामी ने बताया कि हरितालिका कजरी तीज के अवसर पर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। इस बार भी जनपद बहराइच के अलावा बलरामपुर, श्रावस्ती, गोरखपुर और देवरिया समेत विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से भी भारी संख्या में शिव भक्त जंगली नाथ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर मंदिर प्रशासन की ओर से भी व्यापक व्यवस्था की गई। मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मंदिर प्रशासन के लोग लगातार व्यवस्था संभालते रहे। वहीं पुलिस प्रशासन की टीम भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रही और भीड़ को नियंत्रित करने के साथ श्रद्धालुओं की मदद करती रही।हरितालिका कजरी तीज पर उमड़ी भारी भीड़ के चलते मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। महिलाओं, पुरुषों और युवाओं के साथ बड़ी संख्या में कांवरिये भगवान शिव की भक्ति में लीन दिखाई दिए। श्रद्धालुओं ने घंटों कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया और भगवान जंगली नाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की।

श्रद्धालुओं का कहना था कि श्री जंगली नाथ मंदिर में भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक से मन को विशेष शांति मिलती है। इसी आस्था और विश्वास के चलते प्रत्येक वर्ष हरितालिका कजरी तीज के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।पर्व के दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। पुलिस प्रशासन और मंदिर प्रशासन के आपसी समन्वय से जलाभिषेक कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। देर तक मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने और जलाभिषेक करने का क्रम जारी रहा।

संक्षिप्त समाचार

ढोल-नगाड़ों की गूंज में बाबा खंडसारी नाथ मंदिर में विराजे गणपति बप्पा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो /बरेली। गणेश जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आलमगिरिगंज स्थित बाबा खंडसारी नाथ मंदिर में श्री गणेश जी महाराज की प्रतिमा की विधि-विधान से स्थापना की गई। ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच गणपति बप्पा के विराजते ही मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। आयोजक वरुण अग्रवाल ने बताया कि श्री गणेश जी की आकर्षक प्रतिमा विशेष रूप से आगरा से मंगवाई गई है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी हुई है। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल द्वारा भजन संध्या, मंगलवार को सुंदरकांड पाठ तथा बुधवार को महाप्रदोष पूजन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में वरुण अग्रवाल, आशु अग्रवाल, लवलेश खंडेलवाल, नीरज अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, चंदन, सुबोध अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, मोना, राम तथा दिनकर शर्मा (मीडिया प्रभारी) सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हिंदी की वैश्विक उड़ान, नई पीढ़ी बनी गौरव की पहचान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रचनात्मक लेखन मंच न्यास, वाराणसी की उप शाखा बरेली द्वारा उत्कर्ष स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में हिंदी दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। साहित्यकारों, शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं और छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। वरिष्ठ शिक्षाविद् सुरेश बाबू मिश्रा की अध्यक्षता में हुए समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व आईजी डॉ. राकेश कुमार सिंह रहे। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और पहचान की आधारशिला है। हिंदी आज वैश्विक पटल पर निरंतर अपनी पहचान मजबूत कर रही है। उन्होंने हिंदी और संस्कृत के सदियों पुराने संबंध का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदी की सुवास बनारस से बरेली तक जन-जन के मानस में पहुंची है। डॉ. विनीता सिंह ने रचनात्मक लेखन मंच न्यास के साहित्यिक एवं सामाजिक उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार को और गति देने का संकल्प दोहराया।

बरेली में भव्य शोभायात्रा के साथ श्री गणेश महोत्सव का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर बाबूराम धर्मशाला स्थित श्री गणेश पंडाल में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना के साथ साप्ताहिक श्री गणेश महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। महाराष्ट्र के सांगली से लाई गई विशाल प्रतिमा को रथ पर सजाकर साहूकारा सराफा बाजार से गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सर्राफा व्यापारी एसोसिएशन के महानगर अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने किया, जबकि मराठा एसोसिएशन एवं श्री गणेश महोत्सव समिति के संस्थापक अध्यक्ष अनिल पाटिल ने आरती उतारी। बड़ा बाजार, कुतुबखाना होते हुए शोभायात्रा शिवाजी मार्ग स्थित बाबूराम धर्मशाला पहुंची। रास्ते में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर 'गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया' के जयघोष किए। पंडाल में विधि-विधान से गणेश प्रतिमा की स्थापना व पूजन किया गया। अनिल पाटिल ने बताया कि 20 सितंबर तक प्रतिदिन सुबह-शाम आरती, पूजन, प्रसाद वितरण व धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 20 सितंबर को गणेश प्रतिमा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम में सुदेश अग्रवाल, राहुल रस्तोगी, आशीष रस्तोगी, विशाल रस्तोगी, राजीव अग्रवाल, अजय अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, उमंग शंखधर, राजेंद्र कश्यप, अमित राठौर, आकाश सक्सेना, अविनाश पाटिल, सरजाराव पाटिल, प्रमोद पाटिल, विजय पाटिल, मंगेश कदम, संतोष मराठा, दिलीप मराठा, पांडुरंग मराठा, दत्त मराठा, राहुल मराठा, करण शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

Decorate your royal thali without vegetables! Make Madhya Pradesh and Rajasthan's famous 'Dal Bafla' at home, note the recipe.

If you've tasted Dal Baati Churma, give Dal Bafla a try. The hallmark of Indian cuisine is that even without vegetables, a delicious and healthy dish can be prepared using ingredients and spices found at home. One such dish is Dal Bafla, a traditional dish of Rajasthan and Madhya Pradesh. You've likely heard of Dal Baati, and Dal Bafla can be considered its royal version. Dal Bafla Recipe - Dal Bafla is crispy on the outside and soft on the inside, prepared in boiling water before baking. Let's know its recipe: Ingredients for Bafla 200-250 grams wheat flour 1/4 cup semolina - 1/4 teaspoon turmeric 1/4 teaspoon celery 1/4 teaspoon baking soda 3 tablespoons ghee 2-3 teaspoons ghee or oil for roasting Water as needed for kneading Ingredients for dal 1/2 cup moong dal - 1/4 cup masoor dal 1/4 cup chana dal 1 finely chopped onion 1 finely chopped tomato 1 chopped green chili 3 teaspoons ghee or oil 1 teaspoon mustard seeds 1 teaspoon cumin seeds 1 teaspoon ginger-garlic paste 1/2 teaspoon Kashmiri red chili 2 tablespoons finely chopped coriander 1/4 teaspoon garam masala - 1/4 teaspoon turmeric 1 pinch asafoetida 1 cup water Salt as per taste Method of making Bafla - To make Dal Bafla, firstly soak 1/2 cup moong dal, 1/4 cup masoor dal, 1/4 cup chana dal in minimum quantity. Soak for 30 minutes. Meanwhile, prepare the Bafla. For this, place 200-250 grams of wheat flour and 1/4 cup of semolina in a large bowl. Add 3 tablespoons of ghee, 1/4 teaspoon of turmeric, 1/4 teaspoon of carom seeds, 1/4 teaspoon of baking soda, and salt to taste to this flour mixture. Now, mix all of these ingredients thoroughly into the flour and semolina mixture. The flour should be completely moist after mixing. After this, add water as needed and knead the dough. Then, cover it and let it rest for at least 20 minutes. Meanwhile, set the water to heat. In the next step, form small balls of the prepared dough and place them in boiling water. Let the dough balls simmer for 15 minutes. After 15 minutes, remove the dough balls and set them aside. Heat 2-3 tablespoons of ghee on a pan and place the boiled Bafla on it. Cover and let it cook on medium heat for 5 minutes. When one side turns golden, fry the Bafla on the other side as well. Your Bafla is ready, and you can start making the dal simultaneously. Method of making dal - Cook the dal in a pressure cooker with ghee, turmeric, and salt to taste. Meanwhile, in a large pan, add oil or ghee, cumin seeds, mustard seeds, and a pinch of asafoetida. After this, add the onion and fry it. Then add tomatoes, turmeric, red chili, coriander powder, and garam masala, and let it cook for a while. Now add the dal and mix well. Sprinkle coriander on top and transfer it to a bowl. Serve it with Bafla for lunch or dinner. Your traditional dal-bafla is ready.

Responsibility doesn't come without independence! Parents should make their children independent with these daily habits.

Instill in children the habit of doing their own chores from an early age. Parents can use the tips mentioned here. Parents want their children to grow up to be responsible, but this sense of responsibility cannot be developed without independence. Therefore, every parent should teach their children to be independent from childhood to foster responsibility for their home and society. There are some daily habits that can help children develop this habit. Let children get ready for school on their own - Develop the habit of waking up early and getting ready for school on their own. The younger this habit is instilled, the sooner they will learn to be independent. This should include everything from putting on their school uniform to checking the timetable and packing their school bag. Involve children in minor cleaning of the room - Let children make their own bed in the morning and help them do minor cleaning tasks whenever they mess up the room. Such as arranging scattered books on the shelf, putting toys in a basket, or organizing their study table. Encourage them to be independent in school projects - Nowadays, schools assign a variety of projects and activities beyond homework, for which children rely on their parents. Encourage them to complete all activities independently, while only assisting from a distance. This approach will help reduce their dependence in the future. Involve them in meal preparation - Teach both boys and girls essential kitchen tasks. In most households, girls are often responsible for all kitchen tasks, which leads to a greater dependence on boys. In such a situation, involve both of them in preparing dinner. This can include small habits like serving food, placing glasses and water, and putting their plates in the sink after eating. Let them solve problems and listen to opinions - Whenever children get stuck on a question, make a mistake, or are unable to solve a puzzle, give them enough time and space to figure things out. Apart from this, listening to the opinions of growing children on any topic at home also helps in developing a sense of independence in them.

Unconditional love at first, then sudden distance? 'Puffer Fishing' is Gen Z's new dating scourge! Identify it with these signs.

Gen Z has completely transformed the relationship dynamic; now, every behavior has a different name in the dating world. Another new term has emerged in the dating world: puffer fishing. It's specifically related to online dating and Gen Z. You may have noticed that dating attitudes are changing these days, and puffer fishing addresses this. What is puffer fishing? Puffer fishing in dating refers to a shift from emotional to avoidant. In this type of dating, when a partner is new, they are emotionally available initially, but later, as they grow closer, they withdraw. At that time, they display a completely opposite attitude from their initial behavior, which can cause confusion about what exactly happened. Simply put, a person shows love and affection in the initial stages of a relationship. As soon as he feels the relationship is becoming serious, he suddenly distances himself and exhibits cold behavior. Where did this name come from? - This puffer fishing trend, which is going viral on social media, is inspired by the behavior of puffer fish. Let us tell you that puffer fish have a special behavior in the ocean. Whenever they sense any danger or unknown activity, they fill themselves with water and swell up and also take out their spines. Why are people puffer fishing? There can be two reasons behind this. First, the person is not at all interested in commitment. Second, they want to make a commitment but due to a bad experience, they are doing so to save themselves from heartbreak or emotional pain. Signs that indicate you are dealing with puffer phishing - There are several signs that can help you identify if someone is a victim of puffer phishing: Deep conversations and excessive attachment at the beginning of the relationship - Partner maintaining distance when the relationship becomes serious - Partner's messages coming late and efforts decreasing - Avoiding future planning - Suddenly backing out to invest more than necessary in the beginning - Suddenly maintaining distance after close moments - Always being confused by the partner's attitude

Ravindra Jain's cult song, which has been expressing the heartbreak of his beloved for 48 years, has become evergreen in Hemlata's voice.

The 48-year-old song is one of Hindi cinema's cult songs. It was written and composed by Ravindra Jain. The song has remained evergreen for four decades. Hemlata gave voice to the cult song. Ravindra Jain's song is still hummed by people today. Ravindra Jain, a composer of Indian cinema, despite being blind, gave the industry songs that have become immortal and remain evergreen even decades later. He wrote and composed many evergreen songs and bhajans. But the one we're going to discuss today is one of his best. People still hum the song even 48 years later. Ravindra Jain composed this song 48 years ago. It was well-received by audiences at the time, and it remains a favorite among music lovers even four decades later. Every generation listens to and hums this song with great fondness. The song's special feature is its pause and melody, which have become the voice of every lover. The song we're talking about is the title song from the 1978 film Ankhiyon Ke Jharokho Se. The lyrics read, "Ankhiyon Ke Jharokho Se, Maine Dekha Jo Sanware." The cult song "Ankhiyon Ke Jharokho Se" was filmed on Sachin Pilgaonkar and Ranjeeta Kaur. The song was written and composed by Ravindra Jain, while Hemlata lent her voice to the song, which became a signature song of her career. About the Film "Ankhiyon Ke Jharokho Se" is a 1978 drama film starring Ranjeeta and Sachin in lead roles and directed by Hiren Nag. It was produced and distributed by Rajshri Productions, with music by Ravindra Jain. The film is inspired by Eric Segal's 1970 novel "Love Story." About Ravindra Jain - Ravindra Jain was an Indian composer, lyricist, and playback singer. He began his career in the early 1970s by composing music for several hit films and continued his impressive work despite the challenges of his blindness. He composed brilliant and memorable music for films such as "Chor Machaye Shor" (1974), "Geet Gaata Chal" (1975), "Chitchor" (1976), "Ankhiyon Ke Jharokhon Se" (1978), "Nadiya Ke Paar" (1982), "Ram Teri Ganga Maili" (1985), and "Vivah" (2006). He also composed music for Ramanand Sagar's Ramayan. He was awarded the Padma Shri.

"You have tarnished the name of our mothers and sisters..." Govinda, enraged by Sunita's abusive language, came forward and made a humble request.

Govinda has strongly criticized his wife Sunita Ahuja, accusing her of using abusive language in public. He said that her behavior is tarnishing the name of our mothers and sisters. Govinda expressed his displeasure over his wife Sunita's use of abusive language. Sunita's behavior has tarnished the name of our mothers and sisters. Previously, Sunita had questioned Govinda's appearance with Komal Rani. The ongoing war of words between actor Govinda and his wife Sunita Ahuja shows no signs of abating. Now, Govinda has criticized his wife for using abusive language in front of the camera. Sunita Ahuja used abusive language - Previously, he had accused Sunita of tarnishing his name and hindering upcoming projects. Recently, a paparazzi page shared a video in which Govinda openly accused his wife, Sunita, of using abusive language. They said, "Sunita ji, you've started abusing your mother and sister so much. If people are inspired by you, everyone will know your true nature. Young people will watch you and imitate your behavior. What if people start abusing you in the same way?" "If that happens, we'll be ashamed. Don't do this. You've tarnished the name of our mothers and sisters. This wasn't expected from you." Govinda appealed to his wife: Sunita had previously reacted to Govinda's appearance with actress Komal Rani Swarnkar and raised questions. She said, "First, the film should be made. Promotion happens after the film is made. But without promotion... what can I say now? He's hanging out with a girl his daughter's age; he should be ashamed." Sunita had previously commented on Govinda, "He should have some standards." Your 'sugar daddy' is so rich, he should at least dress properly. Look at us, how stylish we dress. It's too bad, he's lost his mind." Govinda then criticized his wife Sunita, alleging that she used him for her own benefit, asking him to appear on cooking shows and "Lock Up." He also accused Sunita of sabotaging his upcoming projects and trying to damage his reputation.

Awarapan 2 OTT: 'Shivam Pandit' will return to this OTT platform after its theatrical release. When and where to watch the film?

Emraan Hashmi and Disha Patani's film 'Awarapan 2' was released in theaters this week on August 14th. After its theatrical run, the film will soon hit OTT platforms. 'Awarapan 2,' starring Emraan Hashmi and Disha Patani, released in theaters on August 14th, the Independence Day weekend. This film marks Emraan Hashmi's return to the role of Shivam Pandit from the 2007 film of the same name, Awarapan. The film has already generated considerable buzz, and its results have been seen at the box office and in advance bookings. When is the film expected to release? Many excited fans are now curious to know which OTT platform the film will release on after its theatrical release. So, we've brought this information for them. Although an official announcement hasn't been made, estimates suggest that Awarapan 2 will arrive on OTT platforms within the proposed timeframe after completing its theatrical run. A typical Bollywood film is released on OTT platforms within 45 to 60 days of its theatrical release. Which OTT platform will it be released on?According to this, Awarapan 2 will hit OTT platforms in the last week of September or early October. Regarding the OTT platform, India TV reports that the film will be released on Amazon Prime Video. The makers revealed which OTT platform holds the streaming rights in the opening credits, but no information regarding the release date has been revealed yet. Mohit Suri directed the first part of the film, while Nitin Kakkar directed Awarapan 2. Emraan Hashmi returns to his cult role as Shivam Pandit in Awarapan 2. Disha Patani will be seen opposite him in the film. The story of Awaarapan 2 will take the old film forward.